सीएम इतने कमजोर कि 9-9 सलाहकार रखने पड़ रहे हैं : गुलाब चंद कटारिया

इस पर विधायक संयम लोढ़ा बोले गहलोत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं

जयपुर, (वि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से की गई सीएम सलाहकारों की नियुक्तियों पर अब तक भाजपा सवाल उठा रही थी लेकिन बुधवार को राजस्थान विधानसभा में एक मौका ऐसा भी आया जब सीएम सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने कह दिया कि अशोक गहलोत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है।

विधायक संयम लोढ़ा का यह बयान उस समय आया जब वह सदन में बजट पर चल रहे वाद-विवाद में बोल रहे थे। संयम लोढ़ा ने राज्य बजट की खूबियां गिनाईं। इस दौरान सामने बैठे नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह बार-बार बयान देते थे कि मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियां होते ही यह सरकार गिर जाएगी, लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार भी हुआ और राजनीतिक नियुक्तियां भी हो गईं तो आपके अरमान तो धरे रह गए।

इस पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि आपके सपनों का क्या हुआ मित्र? तब जवाब में संयम लोढ़ा ने कहा कि मेरे सपने यही हैं कि मैं इस सदन में खड़ा हूं आपके आशीर्वाद से। इस पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि यहीं खड़े रहो। सीएम इतने कमजोर हैं कि 9-9 सलाहकार रखने पड़ रहे हैं। इस पर संयम लोढ़ा ने कहा कि यह तो आपको भी पता है कि अशोक गहलोत को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है।

राजेंद्र राठौड़ सहित कुछ विधायकों ने संयम लोढ़ा को कहा तो फिर आप इस्तीफा दे दो। इस पर संयम लोढ़ा ने यह कह दिया कि ऑर्डर तो हो इस्तीफा दे दूंगा।

सदन में गूंजा राजवेस्ट से पांच करोड़ के चंदे का मामला

- संयम लोढ़ा बोले तमाम प्रक्रिया व अनुबंध भाजपा सरकार में, फिर आरोप कांग्रेस पर क्यों?
- आप धन्ना सेठों को बचाने की वकालत कर रहे हैं : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में बुधवार को बजट बहस के दौरान संयम लोड़ा ने उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पिछली भाजपा सरकार पर जमकर मिशाना साधा। संयम लोढ़ा ने कहा कि सदन में राजेंद्र राठौड़ कांग्रेस सरकार पर 5 करोड़ का चंदा लेने का आरोप लगाते हुए लिग्नाइट खनन के अंदर जो राजवेस्ट कंपनी थी, उसकी वसूली नहीं करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन यह आरोप तथ्यहीन है।

लोढ़ा ने कहा कि साल 2003 से 08 के बीच प्रदेश में भाजपा की वसुंधरा सरकार थी और तब आरोप लगाने वाले राठौड़ और सामने बैठे नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया दोनों ही मंत्री थे। लोढ़ा ने कहा कि उस समय 13 नवंबर 2006 को भारत सरकार ने कपूर डी और जालिया ब्लॉक को लिग्नाइट के लिए आरएसएमएम के पक्ष में आवंटित किया और बाद में यह एक संयुक्त उपक्रम बना, जिसमें 51 फीसदी भागीदारी आरएसएमएम और 9 प्रतिशत भागीदारी राजवेस्ट कंपनी के पास रही।

लोढ़ा ने कहा कि इस कंपनी को चाहे खनन का पट्टा जारी करना हो या सरकार के साथ कोई एग्रीमेंट हस्ताक्षर करना हो, यह सब घटनाएं भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही हुईं और इन सबके डॉक्यूमेंट मैं टेबल करूंगा। उन्होंने कहा कि जालिया ब्लॉक का पट्टा भी 25 मई 2015 को अनुबंधित हुआ और तब भी प्रदेश में सरकार भाजपा की थी। तत्कालीन भाजपा सरकार के कार्यकाल में इस संबंध में तीन बार केंद्र सरकार को भी पत्र लिखे गए, लेकिन जब केंद्र सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी तब राजस्थान की तत्कालीन भाजपा सरकार ने पट्टा हस्तांतरण की संविदा का पंजीयन कर दिया। इस कंपनी से 1000 मेगावाट बिजली उत्पादन इस कंपनी से मिलने वाले कोयले से हो रहे हैं और जो भी प्रक्रिया अपनाई गई है वो राजस्थान के हित में अपनाई गई है। ऐसे में कांग्रेस पर लगाए गए आरोप निराधार हैं।

इस पर प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने इसका विरोध किया। राठौड़ ने यह भी कहा कि आप धन्ना सेठों को बचाने की वकालत कर रहे हो। मैं यह सिद्ध कर दूंगा कि 5 करोड़ का चंदा लेने के बाद ही कंपनी से सरकार ने वसूली रोकी।

सरकार ने माना बीमा कम्पनी ने किसानों के 164 करोड़ रुपये रोके

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक बलवान पूनिया ने रबी 2020-21 में 164 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बाकी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सितंबर में राज्य सरकार ने अपना राज्यांश दे दिया। उसके 3 हफ्ते में किसान का बीमा क्लेम आ जाना चाहिए था। ऐसे में 164 करोड़ रुपए ब्याज समेत सरकार किसानों के खाते में कब तक ट्रांसफर करेगी।

इस पर कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने माना कि एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया ने विसंगतियां बताते हुए पेमेंट को रोका है। राज्य सरकार और विभाग ने भारत सरकार को इस बारे में पत्र भी लिखा है और भारत सरकार ने भी अपना अंश जमा करा दिया है। कटारिया ने कहा कि यह कंपनी 2019 से काम कर रही है। पहली बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने विसंगतियां बताई हैं। इस पर भारत सरकार, राज्य सरकार और बीमा कंपनी के अधिकारी बैठे।

भारत सरकार ने राजस्थान की कटाई क्रॉप को सही माना और बीमा कंपनी को कहा कि वह भुगतान करें, लेकिन बार-बार पत्राचार के बावजूद कंपनी पेमेंट नहीं किया। भारत सरकार ने बीमा कंपनी की समस्त आपत्तियों को निरस्त कर भुगतान देने का कहा है। कटारिया ने कहा कि मैं समय तो नहीं बता सकता लेकिन यह क्लेम 12 फीसदी ब्याज के समेत किसानों को दिलवाया जाएगा, लेकिन इस बात पर पूनिया नाराज हो गए और वैल में आकर हंगामा किया। कुछ देर बाद मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के कहने पर वे वापस अपनी सीट पर आकर बैठ गये।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में इस बार पन्द्रह भाषाएं शामिल होंगी

टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजाय के.रॉय और क्लार्क्स ग्रुप ऑफ़ होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, अपूर्व कुमार बुधवार को प्रेस से रूबरू हुए।

जयपुर, (का.सं.)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का 15वां संस्करण, 5 से 14 मार्च को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में आयोजित होने जा रहा है। फेस्टिवल में इस साल 15 भारतीय भाषाएँ शामिल होंगी। राजस्थानी विरासत और संस्कृति पर आधारित कई विशेष सत्र भी फेस्टिवल का हिस्सा बनेंगे। फेस्टिवल की प्रोड्यूसर, टीमवर्क आर्ट्स ने प्रेस कांफ्रेस का आयोजन कर, उन सत्रों पर प्रकाश डाला जो राजस्थान और गुलाबी नगरी की महत्ता पर चर्चा करेंगे।

टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, संजॉय के. रॉय ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक बार फिर से ऑन ग्राउंड रूप से जादू चलाने को तैयार है। इस साल के प्रोग्राम में साहित्य के विभिन्न पहलुओं के साथ ही, यूक्रेन-रूस विवाद, जलवायु परिवर्तन, न्यू वर्ल्ड ऑर्डर, फिक्शन की कला, काव्य, यात्रा, विज्ञान, इतिहास आदि पर भी फोकस रहेगा।

क्लार्क्स ग्रुप ऑफ़ होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, अपूर्व कुमार ने कहा, हमें गर्व है कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का 15वां संस्करण, 5 से 10 मार्च को होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित हो रहा है। क्लार्क्स हमेशा से इस साहित्यिक कुम्भ से जुड़ा रहा है। हम पहले फेस्टिवल के म्यूजिक स्टेज का आयोजन करते रहे हैं। इस बार जयपुर म्यूजिक स्टेज के साथ, साहित्यिक सत्र भी यहीं होंगे। ये कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि ये फेस्टिवल इस राज्य का सबसे बड़ा इवेंट होने के साथ ही, पर्यटन का भी सबसे बड़ा इवेंट बन गया है। भारत भर से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रोता इस आइकोनिक फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए आते हैं।

सांसद किरोड़ी मीणा ने की सांसद माथुर से मुलाकात

जयपुर। राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ी लाल मीणा इन दिनों प्रदेश की राजनीति में फिर सक्रिय नजर आ रहे हैं। मीणा रीट सहित युवाओं से जुड़े कई मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरकर संघर्ष कर रहे हैं। इन दिनों उनका पुराने नेताओं से मेल मिलाप चल रहा है। बुधवार को राज्यसभा सांसद और पुराने मित्र ओम माथुर से मुलाकात की। दोनों के बीच प्रदेश की राजनीति को लेकर लंबी मंत्रणा हुई। आखिर इन मुलाकातों के बीच क्या सियासत चल रही है। इसकी चर्चा अक्सर सुनने को मिल रही है।

कार्यकर्ताओं और नेताओं में चर्चा है कि पहले किरोड़ी, घनश्याम तिवाड़ी से और अब ओम माथुर से मुलाकात कर आखिर क्या चर्चाएं कर रहे हैं। क्या से मुलकाते आने वाले दिनों में प्रदेश की भाजपा की राजनीति पर असर डालेगी। आखिर किरोड़ी लगातार नेताओं से मिलकर चर्चाएं कर रहे हैं, ये सब कुछ फिलहाल एक गुप्त रहस्य है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले उन्होंने कद्दावर भाजपा नेता घनश्याम तिवाड़ी से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। घनश्याम तिवाड़ी की बात की जाए तो वो एक बार फिर अपने क्षेत्र सांगानेर में सक्रिय नजर आ रहे हैं। पुराने कार्यकर्ताओं और नजदीकियों से मुलाकात का दौर जारी है। ताकि विधानसभा चुनाव से पहले धरातल को मजबूत किया जा सके। तिवाड़ी से किरोड़ी ही नहीं पिछले दिनों राज्यसभा सांसद ओम प्रकाश माथुर और प्रभारी अरुण सिंह ने भी मुलाकात की थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में घनश्याम तिवाड़ी ने भाजपा क दामन छोड़कर भारत वाहिनी पार्टी बना ली थी। वहीं किरोड़ी भी भाजपा से अलग होकर राजपा से चुनाव लड़ा था।

दिलावर ने कांग्रेस विधायकों के लिये कहा ये हैं भारत माता के कपूत बेटे

- बजट अभिभाषण पर बहसे के दौरान वृद्धाश्रम में फैली अव्यवस्था के लिये दिया बयान

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में भाजपा विधायक मदन दिलावर ने बजट अभिभाषण पर बहस के दौरान बुधवार को वृद्धाश्रम में फैली सरकारी अव्यवस्थाओं के लिए सत्ता पक्ष के विधायकों को बुजुर्गों का दुश्मन और भारत माता का कपूत बेटा बता दिया। इस पर शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला सहित कांग्रेसी नेताओं ने विरोध किया।

हालांकि विरोध के बाद सदन की कार्यवाही से इस विवादित बोल को विलोपित किया जाने की बात कहते हुए सभापति राजेंद्र पारीक ने सबको शांत कराया लेकिन मदन दिलावर के विवादित बोल जारी रहे। दिलावर ने कहा कि यह लोग भारत माता की जय नहीं बोलते। यह भारत माता के कपूत बेटे हैं। हालांकि शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला ने इस दौरान आपत्ति जताते हुए कहा कि हम सभी लोग माता-पिता का सम्मान करने वाले लोग हैं।

दिलावर ने कहा कि सरकार में अनुदानित छात्रावास में भोजन की अलग मात्रा और सरकारी छात्रावास में भोजन की अलग मात्रा दी जा रही है। सरकार ने यह मानस बना लिया है कि अनुदानित छात्रावासों में छात्रों को कम भोजन दिया जाए। हालांकि इस दौरान आसन ने मदन दिलावर को बैठने को कहा प्रतिपक्ष के उपनेता राजेन्द्र राठौड़ ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि सदन में भाजपा के ओर से बोलने वाले यह पहले वक्ता हैं इसलिए इन्हें ज्यादा समय दिया जाए।

दिलावर ने कहा कि इस सरकार ने जगह-जगह शराब की दुकान खोल दी। आज ग्रामीण इलाकों में मंदिर और स्कूलों की दीवारों के सहारे शराब की दुकानें खोली गई हैं। वहीं अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्रों में तो शराब की दुकानों की बाढ़ आ गई है। दिलावर ने इस दौरान प्रदेश सरकार पर पुरानी घोषणाओं के अधूरे रहने का आरोप भी लगाया और यह भी कह दिया कि जो लोक लुभावनी घोषणाएं बजट में की गई हैं, उनका हाल भी टांय-टांय फिस्स ही होने वाला है।

प्रदेश में कुल 174 नए करोना संक्रमित मिले बुधवार को

राज्य के 11 जिलों में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामले दो सौ से नीचे आ गए है। बुधवार को राज्य में और गिरावट के बाद 174 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं करीब सात सौ और मरीज ठीक भी हुए हैं। हालाकि इस बीच राज्य में करोना से 2 लोगों की मौत हो गई है।

प्रदेश में बुधवार को 22 जिलों में 174 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को राज्य में 318 रोगी पाए गए थे। इधर आज 11 जिलों बारां, बूंदी, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, जैसलमेर, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। राजधानी जयपुर में

- राजधानी जयपुर में थोड़ी कमी के बाद 60 नए रोगी पाए गए हैं।
- हालाकि, प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 2 लोगों की मौत हो गई है।

नए संक्रमितों की संख्या भी घटकर सौ से नीचे आ गई है। जिले पिछले चौबीस घंटों में केवल 60 ही नए संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा जोधपुर 19 और बांसवाडा में 17, झुंझुनूं, नागौर व उदयपुर में 8-8, जालौर में 7, दौसा, झालावाड़, करौली व राजसमंद में 5-5, अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा में 4-4, सिरोही, कोटा व बीकानेर में 3-3, चूरू में 2 तथा बाड़मेर, भरतपुर, चित्तौड़गढ़ और हनुमानगढ़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 693 और मरीजों के ठीक होने के साथ ही रिकवरी रेट बढ़कर 98.97 फीसदी हो गई है। प्रदेश में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 3525 रह गए हैं। इनमें 1461 मामले जयपुर में हैं। बाकी अन्य जिलों में तीन सौ से भी कम मरीजों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में बुधवार को दो दिन बाद फिर करोना से 2 और लोगों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर और झुंझुनूं में 1-1 मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9539 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में करोना संक्रमण का दायरा भी घटता जा रहा है। बुधवार को यहां 24 स्थानों पर नए संक्रमित मिले। इनमें सबसे ज्यादा 5-5 मामले जवाहरलाल नेहरू मार्ग और मालवीय नगर में मिले हैं।

इसके अलावा सी-स्कीम, दुर्गापुरा, जगतपुरा और सांगानेर में 4-4, गोपालपुरा और खातीपुरा में 3-3, दूदू, जामडोली, झालाना, कोटपुतली, प्रताप नगर, सोडाला, तिलक नगर और टोंक रोड इलाके में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर, बगरू, कालवाड, महेश नगर, मानसरोवर तथा झोटवाड़ा में 1-1 नया संक्रमित मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 202 मरीज ठीक हुए हैं।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर। शहर के पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम- दो महानगर प्रथम ने युवती को बंधक बनाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त संचित नागपाल को 10 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया की पीड़िता के पड़ोस में रहने वाला अभियुक्त उसे 2 नवंबर 2018 को बहला-फुसलाकर ले गया था। घटना के बाद 4 नवंबर को पीड़िता के पिता ने शहर के प्रतापनगर थाने में युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। अभियुक्त पीड़िता को अपने साथ यूपी ले गया, जहां उसे करीब 4 माह तक बंधक बनाकर कई बार दुष्कर्म किया।

अध्यक्ष ने दो सवाल स्थगित किए

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज दो सवाल ऐसे भी रहे जिन्हें अध्यक्ष सीपी जोशी ने ही स्थगित कर दिया। इनमें से एक सवाल पाली जिले में स्वयं सहायता समूह को दी गई राशि और बकाया राशि के भुगतान से संबंधित था।

इस पर मंत्री ममता भूपेश ने जवाब दिया तो विधायक ज्ञानचंद पारख ने कहा कि इस सवाल का जवाब गलत है। इस पर स्पीकर सीपी जोशी ने सवाल यह कहते हुए स्थगित कर दिया कि इस सवाल को दोबारा दूसरे तरीके से रखा जाए। तब तक इस सवाल को स्थगित किया जाता है। वहीं विधायक वासुदेव देवनानी के महात्मा गांधी आदर्श गांव के तहत चयनित गांव को 5 साल में नशा मुक्त करने के लक्ष्य को लेकर भी सवाल लगाया गया था। स्पीकर जोशी ने अपने विवेक का इस्तेमाल कर इसे स्थगित कर दिया। हालांकि इस पर वासुदेव देवनानी ने ऑब्जेक्शन भी किया लेकिन स्पीकर ने कहा कि यह मेरा विवेकाधिकार है कि मैं किस सवाल को स्थगित करूं और किसे नहीं।

कृषि बजट में कर्जामाफी और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चर्चा नहीं होने से किसानों में आक्रोश : रामपाल जाट

किसान महापंचायत के बैनर तले प्रदेशभर से जयपुर आये किसानों ने बाइस गोदाम पर धरना दिया।

- न्यूनतम समर्थन मूल्य, गौण मंडी बनाने, पारदर्शी खरीद, सिंचाई व्यवस्था और खेती-बाड़ी की ज़मीन को अधिग्रहण से मुक्त करने की मांग उठाई

जयपुर, (कासं)। किसान महापंचायत के बैनर तले प्रदेशभर से आए सैकड़ों किसानों ने विधानसभा का घेराव किया। न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानून बनाने, प्रत्येक ग्राम सेवा सहकारी समितियों पर स्थाई खरीद केंद्र बनानें के लिए गौण मंडी विकसित करने, खरीद व्यवस्था को पारदर्शी बनाने, सिंचाई व्यवस्था में हर खेत को पानी देने एवं टोंक जिले के सेवारामपुरा जैसी भूमियों को तीन साल से अधिक कार्य आरम्भ नहीं होने के आधार पर खेती-बाड़ी की ज़मीन को अधिग्रहण से मुक्त करने जैसी मांगो का 18 सूत्री ज्ञापन तैयार कर सुनाया गया, जिसे सभी किसानों ने अपना समर्थन दिया।उसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में जाकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जिसे लेकर मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी जी.एस.यादव ने किसानों को आश्वस्त किया कि इस ज्ञापन को आज की तारीख में मुख्यमंत्री को सौंप कर उनके निर्देशों से अवगत करा दिया जायेगा। ज्ञात रहे कि किसान महापंचायत पिछले कई वर्षों से इन मांगों पर अनुनय-विनय करतीं आ रही है। इसी कारण इन 18 सूत्री मांगों पर बिन्दुवार वार्ता का समय चाहा गया हैं।

इस घेराव कार्यक्रम की सभा को प्रो.गोपाल मोदानी, प्रदेश महामंत्री जगदीश नारायण चौधरी, प्रदेश मंत्री जगदीश जांगिड़, बत्ती लाल बैरवा, रतन खोखर, जिला अध्यक्षो में अजमेर-बालूराम भींचर, बारां-प्रताप शर्मा, बूंदी-तुलसीराम सैनी, जयपुर-रामधन गुर्जर, बूंदी-जिला महामंत्री कजोड़मल धाकड़, दूदू तहसील अध्यक्ष, बलदेव महरिया, नानकराम खटीक आदि ने सम्बोधित करते हुए किसानों को संगठित रहते हुए अपने अधिकारों के लिये संघर्ष की आवश्यकता प्रतिपादित की। इस कार्यक्रम में जयपुर जिला महामंत्री नन्दलाल मीणा का हल आकर्षण का केंद्र बना रहा एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के घासीराम फगोडिया सफेद साफा पहन कर आये। पहली बार टोंक जिला के सेवारामपूरा गाव के किसान अपनी कृषि भूमी को अधिग्रहण से मुक्त कराने के लिये आये जिनका दर्द उनके चेहरो पर झलक रहा था। प्रतिनिधि मंडल में किसान महापंचायत राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट, संयोजक सत्यनारायण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दी लाल यादव, प्रदेश महामंत्री सुंदरलाल भावरिया, युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी शामिल रहे।

ओ.पी.बैरवा और महेन्द्र खड़गावत आईएएस बने

जयपुर (कासं)। केन्द्र सरकार ने राजस्थान के दो वरिष्ठ अधिकारियों ओ.पी.बैरवा और महेन्द्र खडगावत को आईएएस बनाया है। यह दोनों ही अधिकारी अन्य सेवाओं (प्रशासनिक सेवा के अलावा दूसरे विभाग) से जुड़े है। हाल ही में यूपीएससी चयन समिति की बैठक दिल्ली में हुई थी। जहां पर सांख्यकी विभाग के डायरेक्टर ओ.पी.बैरवा और अभिलेखा विभाग बीकानेर के डायरेक्टर महेन्द्र खडगावत का नाम आईएएस के लिए चयन किया गया। इसके बाद बुधवार को आईएएस बनने वाले दोनों अधिकारियों के नाम जारी कर दिए गए।

महेन्द्र खड़गावत

ज्ञात रहे कि अभिलेखा विभाग बीकानेर के डायरेक्टर महेंद्र खडगावत को दो बार राज्य स्तरीय पुरस्कार मिल चुके है। इन्होंने डेढ़ करोड़ से ज्यादा राजपूताना रियासतों के ऐतिहासिक और प्रशासनिक दस्तावेजों को सरकारी वेबसाइट पर डिजिटल रूप में संग्रहित करने में अहम भूमिका निभाई है। इन्होंने वर्ष 1953 से पहले के 18 लाख पट्टे और जमीनों के कागजातों को भी डिजिटल रूप में संग्रहित किया। जबकि 34 लाख ऐतिहासिक व प्रशासनिक दस्तावेजों को माइक्रोफिल्म का रूप दिया, ऐसे ही 25 लाख और दस्तावेज प्रक्रियाधीन है। महेन्द्र खडगावट की इन उपलब्धियों को देखते हुए पेन्सेल्विया यूनिवर्सिटी ने वर्ष 2017 में तथा यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर एंड ब्रिटिश लाइब्रेरी ने वर्ष 2018 में आमंत्रित किया था।

तीन साल में 200 लोगों के बैंक खातों से एक करोड़ रु. निकाले, दो बदमाश दबोचे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में एटीएम बूथ पर लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर उनके बैंक खातों से जबरन वसूली कर रही अंतर्राज्यीय गैंग के दो बदमाशों को बगरू पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

यह गैंग महज तीन साल में 200 लोगों को अपना शिकार बना कर एक करोड़ रूपए पार कर चुकी है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से 27 बैंकों के 103 एटीएम कार्ड, तीन स्वैप मशीन और 30 हजार रूपए की नकदी बरामद की है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में दो दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। पुलिस गिरोह के बारे में पूछताछ कर रही है।

डीसीपी (वेस्ट) ऋचा तोमर ने बताया गिरोह के बदमाश साकिब उर्फ कालू (29) निवासी हथीन जिला पलवल और विक्रम उर्फ संदीप (32) निवासी दुजाना जिला झज्जर हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। एडिशनल डीसीपी राम सिंह ने बताया कि गिरोह एटीएम बूथ पर कार से पहुंचते है और नासमझ व्यक्ति इनका टारगेट होता है। उसकी मदद के बहाने एटीएम कार्ड मशीन में डलवाकर पिन नंबर, बैलेंस इत्यादि की जानकारी ले लेते हैं।

इसके बाद कार्ड बाहर निकालकर मशीन कैश लेस ट्रांजेक्शन का बटन दबा देते हैं। पीड़ित मोबाइल नंबर के आधार पर मशीन में व्यस्त होता है। इसी दौरान आरोपी बड़ी चालाकी से उसका एटीएम कार्ड हूबहू बदल देते हैं और बाद में एटीएम से रूपए निकाल लेते हैं। दोनों बदमाश इतने शातिर हैं कि कार्ड ब्लॉक होने से पहले विदड्रॉल लिमिट पूरी कर लेते हैं। जिस खाते में 10 हजार रूपए से कम बैलेंस होता है, उसके साथ ठगी नहीं करते है।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया गिरोह के बदमाश खुद के पास स्वैप मशीन रखते हैं। एटीएम कार्ड की लिमिट ख़त्म कर उससे शॉपिंग लिमिट राशि को भी अपने खातों में ट्रांसफर कर लेते हैं। यह स्वैप मशीन पेटीएम, भारत स्वैप प्लेटफॉर्म से खरीदी गई है। इसकी खरीद के लिए जीएसटी नम्बर, आधार कार्ड, पता व मोबाइल नम्बर देने पड़ते हैं।

'आईफोन-13 के साथ फ्लैट और आईपैड वापस क्यों नहीं लौटाते भाजपा विधायक?'

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री के सलाहकार कांग्रेस विधायक दानिश अबरार और क्रीडा परिषद की चेयरमैन कृष्णा पूनिया ने विधानसभा में बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि "कांग्रेस सरकार की तरफ से मिले आईफोन-13 लौटाने वाले बीजेपी विधायक पिछले बजट के आईपैड और फ्लैट को वापस क्यों नहीं लौटाते? जबकि आर्थिक मंदी तो पिछले वर्ष करोनाकाल में भी थी। अगर वास्तव में राज्य सरकार का वित्तीय भार कम ही करना है तो जो महंगे फ्लैट सस्ते दामों में सरकार ने दिये थे, उन्हें भी वापस लौटा दें। पिछले बजट के दौरान भी आईपैड सभी विधायकों को दिये थे, वो तो किसी ने वापस नहीं लौटाये। भाजपा सिर्फ छोटी की चीज को बड़ा बनाने का प्रयास कर रही है।

इसी बीच जब दानिश अबरार ने बीजेपी विधायकों द्वारा आईफोन लौटाने को "चोर की दाढ़ी में तिनका" बता दिया तो हंगामा खड़ा हो गया, हालांकि स्पीकर ने मामला शांत करवाकर बैठाया। दानिश ने कहा कि सरकार ने बजट पढ़ने के लिए विधायकों को आईफोन दिए, खबरों में चल रहा है कि बीजेपी विधायकों ने आईफोन वापस कर दिए। इस पर भी ढोंग और तमाशा, पहले फ्लैट भी लिए। फ्लैट वापस क्यों नहीं करते? मोबाइल फोन इसलिए वापस कर रहे हैं, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका। इस पर सभापति ने दानिश को टोका और उत्तेजना नहीं फैलाकर बजट पर बोलने को कहा। तब दानिश ने कहा "हमने भी मोबाइल लिया, लेकिन हमने ढोंग नहीं किया। चोर की दाढ़ी में तिनका यह था कि बीजेपी की जासूसी की पुरानी आदत रही है। इन्हें डर था कि मोबाइल में जासूसी का कुछ उपकरण डाल नहीं दिया हो, इसलिए इन्होंने मोबाइल फोन वापस किए।"

इस मामले में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा दल की बैठक में सभी विधायकों ने यह फैसला लिया कि फोन वापस कर देंगे, इसे लेकर पार्टी के विधायकों में कोई गतिरोध नहीं है। उन्होंने पिछले साल बजट के दौरान मिले आईपैड और अनुदानित दरों पर मिले फ्लैट लौटाने से इंकार कर दिया।

सतीश पूनिया ने कहा कि जो फ्लैट या लैपटॉप दिया गया, वह विधायक बनने के बाद सबको मिलता है। सतीश पूनिया ने कहा कि जहां तक फ्लैट की बात है, वह आवासन मंडल के ऐसे मकान थे, जो बरसों से नहीं बिक रहे थे। फ्लैट मुफ्त में नहीं लिए। विधायकों ने इन मकानों के लिए लोन लिया है। इसकी किश्तें भी जा रही हैं।